शाकम्भरी चालीसा

॥ दोहा ॥

बन्दउ माँ शाकम्भरी

चरणगुरु का धरकर ध्यान।

शाकम्भरी माँ

चालीसा का करे प्रख्यान॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

आनन्दमयी जगदम्बिका-

अनन्त रूप भण्डार।

माँ शाकम्भरी की कृपा

बनी रहे हर बार॥

॥ चौपाई ॥

शाकम्भरी माँ अति सुखकारी,

पूर्ण ब्रह्म सदा दुःख हारी।

कारण करण जगत की दाता,

आनन्द चेतन विश्व विधाता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अमर जोत है मात तुम्हारी,

तुम ही सदा भगतन हितकारी।

महिमा अमित अथाह अर्पणा,

ब्रह्म हरि हर मात अर्पणा।

ज्ञान राशि हो दीन दयाली,

शरणागत घर भरती खुशहाली।

नारायणी तुम ब्रह्म प्रकाशी,

जल-थल-नभ हो अविनाशी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कमल कान्तिमय शान्ति अनूपा,

जोतमन मर्यादा जोत स्वरूपा।

जब-जब भक्तों ने है ध्याई,

जोत अपनी प्रकट हो आई।

प्यारी बहन के संग विराजे,

मात शताक्षि संग ही साजे।

भीम भयंकर रूप कराली,

तीसरी बहन की जोत निराली।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

चौथी बहिन भ्रामरी तेरी,

अद्भुत चंचल चित्त चितेरी।

सम्मुख भैरव वीर खड़ा है,

दानव दल से खूब लड़ा है।

शिव शंकर प्रभु बोले भण्डारी,

सदा शाकम्भरी माँ का चेरा।

हाथ ध्वजा हनुमान विराजे,

युद्ध भूमि में माँ संग साजे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

काल रात्रि धारे कराली,

बहिन मात की अति विकराली।

दश विद्या नव दुर्गा आदि,

ध्याते तुम्हें परमार्थ वादि।

अष्ट सिद्धि गणपति जी दाता,

बाल रूप शरणागत माता।

माँ भण्डारे के रखवारी,

प्रथम पूजने के अधिकारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जग की एक भ्रमण की कारण,

शिव शक्ति हो दुष्ट विदारण।

भूरा देव लौकड़ा दूजा,

जिसकी होती पहली दूजा।

बली बजरंगी तेरा चेरा,

चले संग यश गाता तेरा।

पाँच कोस की खोल तुम्हारी,

तेरी लीला अति विस्तारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

रक्त दन्तिका तुम्हीं बनी हो,

रक्त पान कर असुर हनी हो।

रक्त बीज का नाश किया था,

छिन्न मस्तिका रूप लिया था।

सिद्ध योगिनी सहस्या राजे,

सात कुण्ड में आप विराजे।

रूप मराल का तुमने धारा,

भोजन दे दे जन जन तारा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शोक पात से मुनि जन तारे,

शोक पात जन दुःख निवारे ।

भद्र काली कम्पलेश्वर आई,

कान्त शिवा भगतन सुखदाई।

भोग भण्डारा हलवा पूरी,

ध्वजा नारियल तिलक सिंदुरी।

लाल चुनरी लगती प्यारी,

ये ही भेंट ले दुख निवारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अंधे को तुम नयन दिखाती,

कोढ़ी काया सफल बनाती।

बाँझन के घर बाल खिलाती,

निर्धन को धन खूब दिलाती।

सुख दे दे भगत को तारे,

साधु सज्जन, काज संवारे।

भूमण्डल से जोत प्रकाशी,

शाकम्भरी माँ दुख की नाशी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मधुर मधुर मुस्कान तुम्हारी,

जन्म जन्म पहचान हमारी।

चरण कमल तेरे बलिहारी,

जै जै जै जग जननी तुम्हारी।

कान्ता चालीसा अति सुखकारी,

संकट दुख दुविधा सब टारी।

जो कोई जन चालीसा गावे,

मात कृपा अति सुख पावे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

कान्ता प्रसाद जगाधरी वासी,

भाव शाकम्भरी तत्व प्रकाशी।

बार बार कहें कर जोरी,

विनती सुन शाकम्भरी मोरी।

मैं सेवक हूँ दास तुम्हारा,

जननी करना भव निस्तारा।

यह सौ बार पाठ करे कोई,

मातु कृपा अधिकारी सोई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

संकट कष्ट को मात निवारे,

शोक मोह शत्रु न संहारे।

निर्धन धन सुख सम्पति पावे,

श्रद्धा भक्ति से चालीसा गावे।

नौ रात्रों तक दीप जगावे,

सपरिवार मगन हो गावे।

प्रेम से पाठ करे मन लाई,

कान्त शाकम्भरी अति सुखदाई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ दोहा ॥

दुर्गा सुर हारणि,

करणि जग के काज।

शाकम्भरी जननि शिवे

रखना मेरी लाज॥

युग युग तक व्रत तेरा,

करे भक्त उद्धार।

वो ही तेरा लाड़ला,

आवे तेरे द्वार॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा